हरि विद्या भवन

कक्षा-6

पाठ1

कोशिश करने वालो की हार नहीं होती

विषय-हिंदी (उद्भव)

कार्यपत्र 9 **दिनांक -05/5/21**

सामान्य निर्देश:

1.निम्न प्रश्नों को विषय की नोटबुक में कीजिए।

2.इन्हीं कार्य पत्र के आधार पर आपको सामयिक पेपर्स के नंबर दिए जाएंगे नहीं तो स्कूल खुलने पर पेन पेपर से टेस्ट होगा।

3.सभी बिंदु या प्रश्न आपको आपकी पाठ्य पुस्तक में से दिए गए हैं।

4.सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि वे पुस्तकें खरीदे ताकि हर बात अच्छे से समझ सको।

5.अगर आपको कार्य पत्र से संबंधित कुछ भी पूछना है तो सुबह 8 से 3बजे तक पूछ सकते हैं।

6.सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि एक्टिव एप्प डाउनलोड करें ताकि प्रत्येक बिंदु को अच्छे से समझ सकें।

1)नीचे दिए गए तत्सम शब्दों को उनके तद्भव रूप से मिलाए।

मुक्ता सोना

प्रस्तर मोती

कपौत पत्थर

स्वर्ण कबूतर

2) नीचे दिए गए वाक्यांशो के अर्थ लिखिए।

उत्साह दूना होना

नैया पार न होना

रगों में साहस भरना

निर्देश

इन प्रश्नों को अपनों नोटबुक नंबर 1में करे।

हरि विद्या भवन

कक्षा -- छठी

विषय - संस्कृत

कार्यपत्रक - 5

द्वितीयः पाठः = "शब्द परिचयः"

(अकारान्त स्त्रीलिंग शब्दाः)

(पृष्ठ संख्या -19, 20, 21)

कॉपी नंबर - 1

दिनांक :- 05/05/2021

सामान्य निर्देश :-

1. बच्चों कार्यपत्र में दिया गया समस्त कार्य संस्कृत की कॉपी में ही कीजिये और कॉपी स्कूल वाली ही बनानी है।

2. कॉपी में कार्य को करने से पहले पाठ्य पुस्तक से पाठ को ध्यान से पढ़ो और फिर याद करके लिखिए ।

3. कार्य से संबंधित आप कोई भी प्रश्न सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूछ सकते हैं।

4. कार्य को करने के लिए सबसे पहले

आप सभी के पास पाठ्य पुस्तक का

होना जरूरी है।

5. कार्यपत्र में दिए गए सभी पहलुओं को ध्यान से पढ़कर और पूरी तन्मयता(लगन) से कार्य कीजिए ।

(हिंदी अनुवाद)

(1.)

एषा बालिका ।

यह बालिका है ।

बालिका खेलति ।

बालिका खेलती है ।

सा हसति ।

वह हसती है ।

(2.)

सा किम् करोति ?

वह क्या करती है ?

किम् सा पठति ?

क्या वह पढ़ती है ?

आम् , सा पठति

हाँ , वह पढ़ती है ।

(3.)

एषा शिक्षिका ।

यह शिक्षिका है।

शिक्षिका किम् करोति ?

शिक्षिका क्या करती है ?

सा पाठयति ।

वह पढ़ती है ।

कुछ अन्य स्त्रीलिङ्ग शब्द—

पिपीलिका	=	चींटी
रिक्षा	=	रिक्शा
वाटिका	=	बगीचा
कपाटिका	=	अलमारी
क्रीडा	=	खेल
मृदा	=	मिट्टी
पुष्पवाटिका	=	फुलवाड़ी
यवनिका	=	पर्दा
लंका	=	शिमला मिर्च
उत्पीठिका	=	टेबल
गुहा	=	गुफा
नासिका	=	नाक
सिक्थवर्तिका	=	मोमबत्ती
कलिका	=	कली
कूपिका	=	बोतल
द्विचक्रिका	=	साइकिल
शिविका	=	डोली
वीटिका	=	गुल्ली
पुष्पभञ्जिका	=	बैडमिंटन
वसुधा	=	धरती
सरमा	=	कुतिया
पिपासा	=	प्यास
नलिका	=	नली
एला	=	इलायची
जिह्वा	=	जीभ
हरिद्रा	=	हल्दी
गन्धवर्तिका	=	अगरबत्ती
शाखा	=	टहनी
लता	=	बेल
रोटिका	=	रोटी

अभ्यासकार्यम्

1. चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।
(नीचे दिये गये चित्रों को देखकर उनके नीचे रिक्त स्थान में संस्कृत शब्द लिखिए।)
Write the name of pictures at given space.

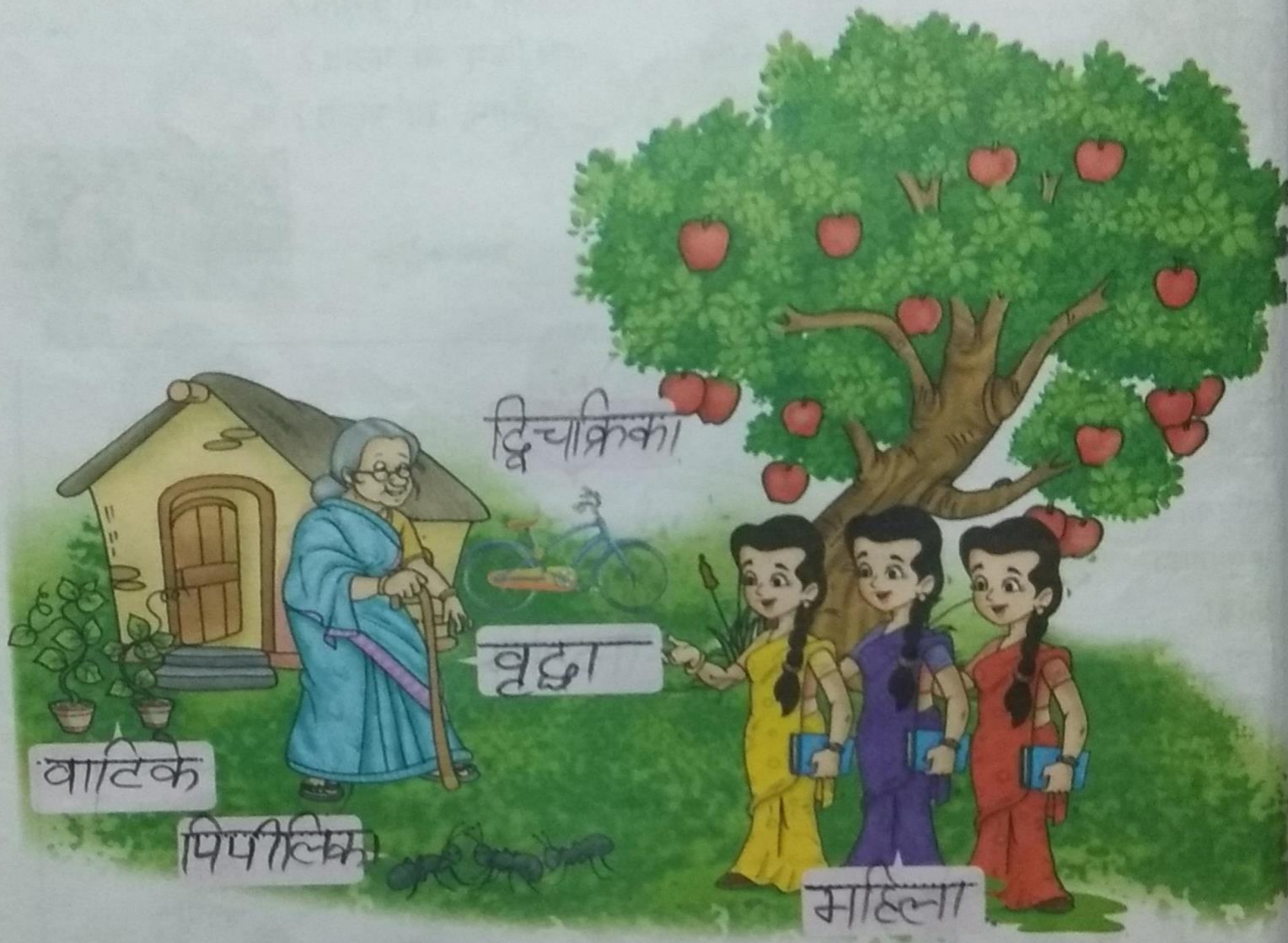

2. एकवचनानि लिखत। (एकवचन में लिखिए।) Write singular number.

(i) मालाः मूला
(ii) नौके नौका
(iii) कूपिकाः कूपिका
(iv) बालिके बालिका

3. रिक्तस्थानानि पूरयत। (रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।) Fill in the blanks.

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
(i)	वाटिका	वाटिके	वाटिका
(ii)	शिविका	शिविके	शिविकाः
(iii)	क्रीडा	क्रीडे	क्रीडाः
(iv)	गुहा	गुहे	गुहाः

4. मञ्जूषायां प्रदत्तेन उचित-सर्वनाम पदेन प्रश्नोत्तरं पूरयत।

(मञ्जूषा में दिए गए उचित सर्वनाम द्वारा प्रश्नोत्तर पूरा कीजिए।)

Complete the answer with appropriate pronoun.

(i) बालिका किम् करोति? ...सा... खेलति।

(ii) रामः किम् करोति? ...सः... नमति।

(iii) राधा किम् करोति? ...सा... लिखति।

(iv) अध्यापिका किम् करोति? ...सा... पाठयति।

सः, सा

नोट :-

कार्यपत्रक में दिया गया समस्तकार्य (हिंदी अनुवाद , आकारांत स्त्रीलिंगशब्द और अभ्यासकार्य) विषय से संबंधित कॉपी नंबर - 1 में कीजिए ।

हरि विद्या भवन

कक्षा- 7

विषय-हिंदी व्याकरण

पाठ 1

कार्यपत्र 9

दिनांक 5/05/2021

सामान्य निर्देश:

1.निम्न प्रश्नों को विषय की नोटबुक में कीजिए।

2.इन्हीं कार्य पत्र के आधार पर आपको सामयिक पेपर्स के नंबर दिए जाएंगे नहीं तो स्कूल खुलने पर पेन पेपर से टेस्ट होगा।

3.सभी बिंदु या प्रश्न आपको आपकी पाठ्य पुस्तक में से दिए गए हैं।

4.सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि वे पुस्तकें खरीदे ताकि हर बात अच्छे से समझ सको।

5.अगर आपको कार्य पत्र से संबंधित कुछ भी पूछना है तो सुबह 8 से 3बजे तक पूछ सकते हैं।
6.सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि एक्टिव एप्प डाउनलोड करें ताकि प्रत्येक बिंदु को अच्छे से समझ सकें।

प्रश्न 1 वर्ण किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2 स्वर किसे कहते हैं ?

प्रश्न 3 व्यंजन किसे कहते हैं ?

प्रश्न 4 अयोगवाह स्वरों को लिखये ।

प्रश्न 5 स्पर्श व्यंजन कौनसे होते हैं लिखिए ।

प्रश्न 6अंतस्थ व्यंजन किसे कहते हैं , लिखो ।

प्रश्न 7ऊष्म व्यंजन लिखिए ।

प्रश्न 8विशेष व्यंजनों को लिखो।

प्रश्न 9कुछ आगत ध्वनियों के उदहारण दो।

प्रश्न10 कुछ संयुक्ताक्षरों के उदहारण दो।

प्रश्न11अनुस्वार किसे कहते हैं ?

प्रश्न 12 अनुनासिक किसे कहते है ?

नोट ;- इन प्रश्नों के लिए वीडियो न 1.1.1`में देखें।

हरि विद्या भवन

कक्षा -- सातवीं

विषय -- संस्कृत

कार्यपत्रक - 5

प्रथमः पाठः = "पाणिनिः"

(हिन्दी अनुवाद)

(नोटबुक न० – 1)

दिनांक :- 05/05/2021

सामान्य निर्देश :-

1. बच्चों कार्यपत्र में दिया गया समस्त कार्य संस्कृत की कॉपी में ही कीजिये और कॉपी स्कूल वाली ही बनानी है।

2. कॉपी में कार्य को करने से पहले पाठ्य पुस्तक से पाठ को ध्यान से पढ़ो और फिर याद करके लिखिए ।

3. कार्य से संबंधित आप कोई भी प्रश्न सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूछ सकते हैं।

4. कार्य को करने के लिए सबसे पहले

आप सभी के पास पाठ्य पुस्तक का

होना जरूरी है।

5. कार्यपत्र में दिए गए सभी पहलुओं को ध्यान से पढ़कर और पूरी तन्मयता(लगन) से कार्य कीजिए ।

1. ***संकेत :-***

सुप्रसिद्धस्य .....प्रस्थितः

अनुवाद :-

सुप्रसिद्दः वैयाकरण पाणिनि का जन्म 500 ईस्वी पूर्व गान्धार के शालातुर नामक गांव में हुआ | यह स्थान अफगानिस्तान देश में है | उनके पिता का नाम पणिन और माता का नाम दाक्षी था | उनके गुरु उपवर्ष थे |

पाणिनि के विषय में एक कथा प्रचलित है | बचपन में जब वह (अपने गुरु) उपवर्ष के आश्रम में पढ़ते थे

तब वह पढ़ाई में बहुत ही कमजोर थे । उनका मन पढ़ाई में नही बिल्कुल भी नही लगता

था । उनके गुरु यह देखकर बहुत ही दुःखी हो गए । एक बार उन्होंने पाणिनी के हाथ की रेखा को देखकर बोला कि आपके हाथ में तो विद्या की रेखा ही नही है । आप तो पढ़ ही नही सकते हैं ।यह सुनकर पाणिनि आश्रम से अपने घर की ओर निकल पड़े ।

2. ***संकेत :-***

मार्गे सः .....जातः ।

अनुवाद :-

रास्ते में उन्हें (पाणिनी) को प्यास लगी । उन्होंने वहीं एक कुआँ देखा । वहां कुछ महिलाएं उस कुँए से पानी निकाल रही थी । पाणिनी ने वहां जाकर पानी माँगा । अचानक उनकी नजर पत्थर पर पड़े गोलाकार गड्ढे पर पड़ी । उसने आश्चर्य से एक महिला से उस गड्ढे के रहस्य के बारे में पूछा ।

उस महिला ने बोला , बार - बार घड़े को रखने कर कारण यह गड्ढा हो गया है ।

3. ***संकेत :-***

तदा पाणिनि: .....अकरोत्

अनुवाद :-

तब पाणिनी आश्चर्य से स्तब्ध ही रह गया | उसने सोचा कि यदि मिट्टी के घड़े को बार - बार रखने से पत्थर पर भी गड्डा हो सकता तो बार - बार अभ्यास करने पर मैं भी तो पढ़ सकता हूँ ।

ऐसा सोचकर वह दोबारा आश्रम में ही चला जाता है । आश्रम में आकर वह चाकू से अपने हाथ मे विद्या की रेखा बनाकर गुरु के पास जाकर बोला -- " हे गुरुजी ! मेरे हाथ में भी विद्या की रेखा है । मैं भी पढ़ने के लिए सक्षम हूँ । "

गुरु जी ने उन्हें प्यार से गले से लगा लिया और बाद में अत्यंत परिश्रम करके वह (पाणिनी) एक महान वैयाकरण हुए । उन्होंने "अष्टाध्यायी" नामक इस प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की ।

नोट :-

उपर्युक्त कार्यपत्रक में दिए गए पाठ के हिन्दी अनुवाद को विषय से संबंधित कॉपी नंबर - 1 में कीजिए ।

हरि विद्या भवन

कक्षा- 8

विषय-हिंदी व्याकरण

पाठ 2

कार्यपत्र 9

दिनांक 5/05/2021

सामान्य निर्देश:

1.निम्न प्रश्नों को विषय की नोटबुक में कीजिए।

2.इन्हीं कार्य पत्र के आधार पर आपको सामयिक पेपर्स के नंबर दिए जाएंगे नहीं तो स्कूल खुलने पर पेन पेपर से टेस्ट होगा।

3.सभी बिंदु या प्रश्न आपको आपकी पाठ्य पुस्तक में से दिए गए हैं।

4.सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि वे पुस्तकें खरीदे ताकि हर बात अच्छे से समझ सको।

5.अगर आपको कार्य पत्र से संबंधित कुछ भी पूछना है तो सुबह 8 से 3बजे तक पूछ सकते हैं।
6.सभी छात्रों के लिए आवश्यक है कि एक्टिव एप्प डाउनलोड करें ताकि प्रत्येक बिंदु को अच्छे से समझ सकें।

प्रश्न 1 वर्ण किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2 स्वर किसे कहते हैं ?

प्रश्न 3 व्यंजन किसे कहते हैं ?

प्रश्न 4 अयोगवाह स्वरों को लिखये ।

प्रश्न 5 स्पर्श व्यंजन कौनसे होते हैं लिखिए ।

प्रश्न 6अंतस्थ व्यंजन किसे कहते हैं , लिखो ।

प्रश्न 7ऊष्म व्यंजन लिखिए ।

प्रश्न 8विशेष व्यंजनों को लिखो।

प्रश्न 9 कुछ आगत ध्वनियों के उदहारण दो।

प्रश्न 10 कुछ संयुक्ताक्षरों के उदहारण दो।

नोट ;- इन प्रश्नों के लिए वीडियो न 2. 2. 1`में देखें।

हरि विद्या भवन

कक्षा -- आठवीं

विषय -- संस्कृत

कार्यपत्रक – 5

द्वितीयः पाठः = कर्मफलप्रधानम्

(हिन्दी अनुवाद)

(नोटबुक नंबर -1)

दिनांक :- 05/05/2021

सामान्य निर्देश :-

1. बच्चों कार्यपत्र में दिया गया समस्त कार्य संस्कृत की कॉपी में ही कीजिये और कॉपी स्कूल वाली ही बनानी है।

2. कॉपी में कार्य को करने से पहले पाठ्य पुस्तक से पाठ को ध्यान से पढ़ो और फिर याद करके लिखिए ।

3. कार्य से संबंधित आप कोई भी प्रश्न सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूछ सकते हैं।

4. कार्य को करने के लिए सबसे

पहले आप सभी के पास पाठ्य पुस्तक का होना जरूरी है।

5. कार्यपत्र में दिए गए सभी पहलुओं को ध्यान से पढ़कर और पूरी तन्मयता(लगन) से कार्य कीजिए ।

1. ***संकेत :-***

पाटलिपुत्रे..... दास्यति

अनुवाद :-

पाटलिपुत्र में एक राजा था। वह कलाप्रेमी था । एकबार उसने अपने राज्य में घोषणा करवाई कि जो कोई भी चित्रकार एक अद्भुत चित्र बनाएगा उसको मैं आधा राज्य दूँगा। लेकिन अगर चित्र अद्भुत नही होगा तो मैं उसको मृत्युदण्ड दूँगा।

राज्य की घोषणा सुनकर किसी भी चित्रकार ने साहस नही किया। सभी (

चित्रकारों) का चित्र अद्भुत कैसे हो सकता है। लेकिन एक युवक चित्रकार चित्र बनाने के लिए तैयार हो गया। उसके साहस को देखकर सभी चित्रकार उसे सम्बोधित करते ह बोले - ऐसा दुस्साहस मत कीजिए ! हम जीवनभर ऐसा अद्भुत चित्र बनाने में समर्थ नही हो सके तो आप ऐसा दुस्साहस कैसे कर सकते हैं। अगर आपका चित्र अद्भुत नही होगा तो राजा आपको मृत्युदंड दे देंगे ।

2. ***संकेत :-***

किन्तु .....आरब्धवान्

अनुवाद :-

लेकिन दृढ़प्रतिज्ञा किये हुए उस युवक ने उन सभी के वचन का तिरस्कार करके राजभवन जाकर राजा से निवेदन करते हुए कहा - हे राजन् ! मैं ऐसा अद्भुत चित्र बना सकता हूँ , लेकिन आपसे मेरा एक निवेदन है कि मुझे एक अलग भवन (कमरे) की आवश्यकता है, वहाँ कोई भी न आए , द्वारपाल हर रोज खिड़की में ही भोजन रख दे । छह महीनों में मेरा चित्र पूरा हो जाएगा ।

राजा ने उसका निवेदन स्वीकार कर लिया। उसको एक बहुत बड़ा कमरा दे दिया। युवक ने चित्र बनाना आरम्भ कर दिया।

3. ***संकेत :-***

द्वारपालः .....मनीषिणां

अनुवाद :-

द्वारपाल हर रोज दिन-रात खिड़की में ही भोजन रख देता था। इस प्रकार कुछ महीने बीत गए। एक दिन द्वारपाल ने सुबह का भोजन रख दिया। शाम को आकर देखा कि

प्रातःकाल का भोजन वैसे ही रखा है । उसने सोचा कि व्यस्तता के कारण वह भोजन नही कर सका होगा । शाम का भोजन वहां रखकर वह वहां से चला गया। सुबह आकर देखता है कि शाम का भोजन भी वहीं रखा हुआ है । उसने जाकर राजा से बोला - हे महाराज ! चित्रकार ने कल से भोजन नही किया । कहीं वह भवन से भाग तो नही गया । राजा ने द्वारपाल के साथ जाकर चित्रकार को बुलाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नही आई । राजा के आदेश से द्वारपाल ने दरवाजा तोड़ दिया । राजा ने अंदर जाकर देखा कि कमरे के एक

कोने से अलौकिक प्रकाशपुंज निकल रहा था। राजा दीवार पर अद्भुत चित्र को देखकर हैरान हो गया। वहीं चित्रकार कलम को हाथ मे लेकर बैठा हुआ था। राजा चित्रकार की पीठ पर हाथ रखकर बोला - चित्रकार ! अरे ! चित्रकार तो मर गया। उसके तो प्राण ही इस चित्र में समाविष्ट हो गए है। राजा ने सोचा - जीवन मे कुछ भी अद्भुत (विचित्र) चीज को प्राप्त करने के लिए सब कुछ अर्पित हो जाता है।

इसलिए कहा गया है कि -

"यज्ञ , दान और तप ये कार्य बुद्धिमान मनुष्यों को कभी नही छोड़ने चाहिए । क्योंकि यज्ञ , दान और तप ये कार्य मनुष्य को पवित्र करने वाले होते हैं ।"

नोट :-

कार्यपत्रक में दिये गए पाठ से संबंधित हिंदी अनुवाद को विषय से संबंधित कॉपी नंबर -1 में करें ।